टेलीविजन सेट लगाने की कोई योजना है, यदि यहां, तो इसका ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में कब तक निर्णय लिये जाने की संभावना है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : रेल प्रशासनों को कुछ जोड़ी गाड़ियों के वातानुकूल सवारी डिब्बों में विशेष शर्तों पर निजी उद्यमियों के माध्यम से उनकी लागत पर सी सी टी वी प्रणाली को आरम्भ करने के लिए संभावनाओं का पता लगाने को कहा गया है। लेकिन अभी तक कोई सकारात्मक उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

गुजरात तथा अन्य राज्यों में यात्री तथा मालगाड़ियों की समय सारणी में परिवर्तन

567. **श्री मीर्जा इर्शाद बेग** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गाड़ियों के प्रचलन दिवसों में वृद्धि करने हेतु गुजरात और अन्य राज्यों में यात्री और मालगाड़ियों की समय सारणी में कुछ परिवर्तन किए जाने का विचार है, यदि हां, तो गाड़ियों के प्रचालन दिवसों में कितनी वृद्धि की जाएगी तथा यह वृद्धि कब से तथा किन किन गाड़ियों के लिए की जाएगी , और

(ख) सर्वोदय एक्सप्रेस और आश्रम एक्सप्रेस अहमदाबाद से दिल्ली के लिए दैनिक गाड़ी के रूप में कब से चलाई जाएगी ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) माल गाड़ियों के लिए, कोई निर्धारित अनुसूची नहीं है। नवम्बर, 1988 की समय सारणी में निम्नलिखित पैसेंजर गाड़ियों के फेरों में वृद्धि कर दी गयी है :–

(1) 505/506 आश्रम एक्सप्रेस को सप्ताह में 4 दिन की बजाय दैनिक गाड़ी के रूप में।

(2) 59/60 गीतांजलि एक्सप्रेस सप्ताह में 5 दिन की बजाय दैनिक गाड़ी के रूप में।

(3) 933/934 बम्बई, लखनऊ एक्सप्रेस सप्ताह में 4 दिन की बजाय दैनिक गाड़ी के रूप में,

(4) 5/6 विदर्भ एक्सप्रेस सप्ताह में 3 दिन की बजाय सप्ताह में 4 दिन,

(5) 951/952 हावड़ा-कोच्चिन एक्सप्रेस को सप्ताह में एक दिन की बजाय सप्ताह में 3 दिन ,

(6) 131/132 जम्मूतवी-मद्रास एक्सप्रेस सप्ताह में दो दिन की बजाय सप्ताह में 3 दिन .

(ख) यातायात की अपेक्षाओं के आधार पर आश्रम एक्सप्रेस को 1.11.88 से दैनिक गाड़ी बना दिया गया है। सर्वोदय एक्सप्रेस के फेरों में वृद्धि करना परिचालनिक दृष्टि से व्यावहारिक नहीं पाया गया।

खेल-कूद संबंधी सुविधाओं के बारे में मास्को वार्ता

568. **श्री मीर्जा इर्शाद बेग** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) खेलकूद के संबंध में मास्को वार्ता के दौरान हुए समझौते का ब्यौरा क्या है और इसे कब तक लागू कर दिया जाएगा ; और

(ख) रेलवे द्वारा खिलाड़ियों को क्या क्या सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है तथा उन्हें और क्या क्या नई सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने का विचार है तथा ये सुविधाएं कब उपलब्ध कराई जायेंगी ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) एक व्यापक समझौता किया गया था जो टीमों के आदान प्रदान, भारत में सोवियत संघ, के प्रशिक्षकों की प्रतिनियुक्ति तथा सोवियत संघ में प्रशिक्षण सुविधाओं की व्यवस्था के माध्यम से सहयोग प्राप्त करने की संभावना से संबंधित है।

(ख) खिलाड़ियों को विशेष आकस्मिक छुट्टी, यात्रा, आवास, नियमित कोचिंग कैम्पों में प्रशिक्षण, आदि जैसी सुविधाएं दी जाती हैं ?

इन सुविधाओं की समय समय पर समीक्षा की जाती है और फिलहाल ये सुविधाएं पर्याप्त समझी जाती हैं।

गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्ग

569. श्री मोर्जा इर्शाद बेग : क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में वर्तमान राष्ट्रीय राजमार्गों की लम्बाई कितनी है, 1962 से 1982 तक की 20 वर्षीय सड़क विकास योजना के अधीन गुजरात के लिए कितनी दूरी को राष्ट्रीय उपराजमार्ग का आबंटन किया जाना था,

(ख) छठी पंचवर्षीय योजना के दौरान इस सड़क की लम्बाई में कितनी वृद्धि की गई और उसके क्या कारण थे ;

(ग) राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम के अधीन गुजरात में सड़कों का दर्जा बढ़ाये जाने के लिए राष्ट्रीय परिवहन समिति ने किन किन सड़कों का सुझाव दिया है और इस संबंध में अब तक क्या कार्यवाही की गई है ;

(घ) गुजरात के तटीय राजमार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग में परिवर्तित किए जाने के संबंध में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद् द्वारा 1980 में क्या मांग की गई थी, उस पर क्या कार्यवाही की गई है; और

(ङ) ऐसी अन्य सड़कों के क्या नाम हैं जिन्हें गुजरात सरकार का राष्ट्रीय उपराजमार्ग घोषित किए जाने का प्रस्ताव है और इस पर क्या निर्णय लिया गया है तथा उसके क्या कारण है और इस संबंध में अगली पंचवर्षीय योजना में और क्या कार्यवाही की जानी है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) इस समय देश में राष्ट्रीय राजमार्गों की लम्बाई, 32,138 कि.मी. है जिसमें 1491 कि.मी. गुजरात में है। बीस वर्षीय सड़क विकास योजना में गुजरात राज्य के लिए कोई राष्ट्रीय उपराजमार्ग नहीं दर्शाया गया है।

(ख) छठी पंचवर्षीय योजना में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में 2687 कि० मी० की वृद्धि हुई थी।

(ग) राष्ट्रीय परिवहन नीति समिति ने गुजरात से होकर गुजरने वाली निम्नलिखित सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की सिफारिश की :—

1. ब्यावर सिरोही राधनपुर (कांडला तक)।
2. बड़ौदा (बड़ौदरा) धुले-शोलापुर।
3. अहमदाबाद- इदौर-देवास-भोपाल।

सरकार ने ब्यावर (राजस्थान)-सिरोही राधनपुर (गुजरात में) से कांडला तक की सड़क को सिद्धांत रूप में राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का अनुमोदन किया है।

(घ) पश्चिम क्षेत्रीय परिषद ने सुझाव दिया कि गुजरात में पश्चिम तट सड़क को सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में शामिल करने को प्राथमिकता दी जाए। संसाधनों की कमी के कारण सुझाव को स्वीकार कर पाना संभव नहीं हो पाया है।

(ङ) राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में घोषित करने के लिए प्रस्तावित अन्य सड़कों का ब्यौरा विवरण में दिया गया है। (नीचे देखिये) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान अहमदाबाद से बड़ोदरा तक 93 कि० मी० लम्बी सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया गया है वित्तीय प्रतिबन्धों तथा अन्य प्राथमिकताओं को दृष्टि में रखते हुए इस समय गुजरात में उपरोक्त सड़कों को छोड़ कर किन्हीं अन्य सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करना संभव नहीं है। अगली पंचवर्षीय योजना में प्रस्तावित कार्रवाई के बारे में अभी कुछ कह पाना संभव नहीं है।